the list of those Indians who had deposited their jewellery with the Indian Embassy in May, 1964.

(d) No measures have been considered necessary.

Heavy Vehicles Factory, Avadi

1962. **Shri Subodh Hansda:**
Shri S. C. Samanta:
Shri P. C. Borooah:
Shri M. L. Dwivedi:
Shri Bhagwat Jha Azad:
Dr. M. M. Das:
Shri D. C. Sharma:

Will the Minister of **Defence** be pleased to state:

(a) whether the production in Heavy Vehicles Factory at Avadi has suffered any set-back due to shortage of imports;

(b) the percentage of parts manufactured in the country;

(c) the steps taken to replace the import content; and

(d) whether it is feasible to eliminate import content and if so, by what time?

The Minister of State in the Ministry of Defence (Shri A. M. Thomas): (a) There had been some delay in the supply of imported items which had affected the production schedule at Avadi. However as a result of efforts made, the first tank rolled out of the factory on the 29th December 1965 as planned, and further production is proceeding satisfactorily.

(b) Our assessment is that the average indigenous content for the first 100 tanks would be about 40 per cent which is better than the original plan.

(c) Concerted efforts are being made to establish further indigenous capacity for as many assemblies and components as possible. Some items have been successfully developed.

(d) According to the present planning, the imported content is expected to decrease progressively to approximately 20 per cent in about 3 years.

हिन्दी में कार्य

1963. **श्री विश्राम प्रसाद :** क्या **सूचना और प्रसारण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उन सरकारी कर्मचारियों की संख्या क्या है जिन्हें गृह-कार्य मंत्रालय द्वारा आयोजित हिन्दी प्रशिक्षण कक्षाओं में प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद उन के मंत्रालय में हिन्दी में काम करने के लिए कहा गया है;

(ख) क्या सरकार इन कर्मचारियों के हिन्दी के ज्ञान को बनाये रखने के लिए कोई कार्यवाही कर रही है; और

(ग) यदि नहीं, तो उस के क्या कारण हैं ?

सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री राज बहादुर) : (क) इस मंत्रालय में काम अभी मुख्यतः अंग्रेजी में ही होता है। परन्तु हिन्दी में प्राप्त सभी पत्रों आदि का उत्तर हिन्दी में ही दिया जाता है।

(ख) और (ग). हिन्दी प्रशिक्षण प्राप्त कर्मचारियों को किसी न किसी प्रकार का काम हिन्दी में करने के अवसर मिलते हैं। हिन्दी जानने वाले कर्मचारियों के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम शुरू करने के प्रस्ताव पर राज भाषा अधिनियम का संशोधन करने सम्बन्धी विधेयक को संसद् में पेश करने और उस द्वारा उसे पास किए जाने के बाद ही विचार किया जाएगा।